भारत की पांच फर्मों को कोविड दवा के लाइसेंस

मर्क ऐंड कंपनी की मोलनुपिराविर, ओरल एंटीवायरल दवा है जो अभी तीसरे चरण के ट्रायल में है

सोहिनी दास मुंबई, 27 अप्रैल

🖣 वा फर्म एमएसडी ने ओरल प्टीवायरल मोलनुपिराविर के लिए स्वैच्छिक लाइसेंसिंग करार का फैसला लिया है, जिसका अध्ययन कोविड-19 के इलाज में करने के लिए हो रहा है। एमएसडी ने यह फैसला भारत की पांच कंपनियों सन फार्मा, सिप्ला, डॉ. रेड्डीज, एमक्योर फार्मा और हेटेरो लैब्स के साथ लाइसेंसिंग करार के लिए लिया है। कंपनी की भारतीय इकाई ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

मोलनुपिराविर अभी जांच के चरण वाली ओरल एंटीवायरल एजेंट है, जिसका तीसरे चरण का ट्रायल चल रहा है और इसका ट्रायल कोविड-19 के वैसे मरीजों पर हो रहा है, जिसे कोविड की पुष्टि हो चुकी है लेकिन अस्पताल में भर्ती नहीं है। एमएसडी इंडिया ने एक बयान में यह जानकारी दी। एमएसडी इंडिया, मर्क शार्प ऐंड

डोहमे (एमएसडी) की पूर्ण स्वामित्व वाली भारतीय सहायक है। यह कंपनी मर्क ऐंड कंपनी इंक के नाम से अमेरिका और कनाडा में मशहर है।

एमएसडी ने मोलनुपिराविर के लिए पांच स्थापित भारतीय जेनेरिक विनिर्माताओं सिप्ला, डॉ. रेडडीज लैब्स, एमक्योर फार्मास्युटिकल्स, हेटेरो लैब्स और सन फार्मा के साथ नॉन-एक्सक्लूसिव स्वैच्छिक लाइसेसिंग करार करने का फैसला लिया है।

इन पांचों विनिर्माताओं के पास विश्व स्वास्थ्य संगठन से मंजुर विनिर्माण संयंत्र है और उनके पास वैश्विक स्तर पर और कम व मझोली आय वाले देशों को आपूर्ति का अनुभव भी है। एमएसडी इंडिया ने यह जानकारी दी। इस



 एमएसडी का भारत की पांच कंपनियों सन फार्मा, सिप्ला, डॉ. रेडडीज, एमक्योर फार्मा और हेटेरो लैब्स के साथ

 करार के तहत मर्क ऐंड कंपनी इंक, अमेरिका इन विनिर्माताओं को भारत व 100 से ज्यादा कम व मझोली आय वाले देशों को मोलनुपिराविर की आपूर्ति के लिए लाइसेंस देगी

करार से मोलनिपराविर की भारत व अन्य कम व मध्यम आय वाले देशों में उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी, जब स्थानीय नियामकीय एजेंसियों से मंजूरी हासिल हो

मर्क ऐंड कंपनी इंक के अमेरिकी चेयरमैन व सीईओ केनेथ सी फ्रेजर ने कहा, इन करारों से भारत व दुनिया के अन्य हिस्सों में मोलनुपिराविर तक पहुंच में तेजी आएगी। इस पर हम काम कर रहे हैं और हमारा अध्ययन जारी है।

हेटेरो ने कहा कि वह इस दवा का निर्माण हैदराबाद संयंत्र में करेगी। कंपनी के चेयरमैन बी पार्थ एस रेड्डी ने कहा, हेटेरो ने एमएसडी संग साझेदारी की है ताकि भारत के लोगों को मोलनुपिराविर इस अहम समय में उपलब्ध हो सके और वह महामारी से आसानी से मुकाबला कर सके। हमने इसके लिए तैयारी कर ली है और वाणिज्यिक तौर पर देश भर में

इसकी आपूर्ति के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह इस बारे में मंजूरी के लिए डीजीसीआई से तत्काल संपर्क करेंगे ताकि आपातकाल में इसके इस्तेमाल की मंजूरी मिल जाए।

करार के तहत मर्क ऐंड कंपनी इंक, अमेरिका इन विनिर्माताओं को भारत व 100 से ज्यादा कम व मझोली आय वाले देशों को मोलनपराविर की आपर्ति के लिए लाइसेंस देगी। कंपनी इसके अलावा मेडिसिंस पेटेंट पूल के साथ भी चर्चा कर रही है ताकि अतिरिक्त लाइसेंस की संभावना तलाशी जा सके। एक बयान में यह जानकारी दी गई है।

एमएसडी इंडिया रीजन एमडी रेहान ए खान ने कहा, स्थापित भारतीय जेनेरिक विीनिर्माताओं संग साझेदारी से भारत में मोलनुपिराविर की उपलब्धता का विस्तार को लेकर हमारी प्रतिबद्धता का पता चलता है। मर्क ऐंड कंपनी इंक 50 लाख से ज्यादा कीमत का ऑक्सीजन उत्पादन वाले उपकरण, मास्क, हैंड सैनिटाइजर और वित्तीय मदद भी देगी ताकि भारत में राहत कार्यों को सहारा मिल सके। कंपनी ने एक बयान में ये बातें कही है।

बीएस वेबिनार : महामारी के बाद भारतीय बैंकिंग का नया परिदृश्य

डिजिटल में तेजी से जोखिम आकलन चुनौतीपूर्ण

डिजिटल प्रक्रिया तेजी से लोकप्रिय हो रही है, ऐसे में इससे जुड़े जोखिम की पहचान बेहद जरूरी हो गई है



प्रदीप बी आर, सीनियर कंसल्टेंट (जोखिम प्रबंधन),

एसएएस इंडिया

रघु मोहन नई दिल्ली, 27 अप्रैल

डिजिटल बैंकिंग में आ रही बडी तेजी ने निहित जोखिमों का आकलन चुनौतीपूर्ण बना दिया है। 'महामारी-बाद, नए भारतीय बैंकिंग परिदृश्य' विषय एसएएस की भागीदारी में बिजनेस स्टैंडर्ड की वेबिनार सीरीज में दूसरी पैनल परिचर्चा में मुख्य जोखिम अधिकारियों (सीआरओ) ने इस तरह का

इसमें जो संबंधित पहल सामने आया, वह यह था कि प्रौद्योगिकी में हो रहे निवेश की मात्रा और सभी व्यवसायों में डिजिटल लेनदेन की बढती

घरेलू शेयर बाजार में तेजी के कारण अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय

बाजार में मंगलवार को डॉलर के

मुकाबले रुपया सात पैसे की तेजी

के साथ 74.66 रुपये प्रति डॉलर पर

बंद हुआ। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा

विनिमय बाजार में रुपया 74.65

प्रति डॉलर पर खुला। उसके बाद

कारोबार के दौरान यह 74.51 से

74.73 रुपये प्रति डॉलर के बीच

रहा। अंत में रुपया सात पैसे की

तेजी पर बंद हुआ।



दिलीप मिर्धा, महाप्रबंधक (जोखिम प्रबंधन), यूको बैंक

संख्या को देखते हुए कार्मिक जोखिमों की पहचान के प्रयासों में काफी तेजी लानी होगी।

इस वेबिनार बंधन बैंक के सीआरओ बिस्वजीत दास. यको बैंक के महा प्रबंधक (जोखिम दिलीप आईडीबीआई बैंक के कार्यकारी निदेशक एवं सीआरओ अजय नाथ झा, सेंट्रम फाइनैंशियल के जोखिम प्रबंधन प्रमुख सौरभ श्रीवास्तव. और एसएएस इंडिया में वरिष्ठ कंसल्टेंट (जोखिम प्रबंधन) प्रदीप बी आर शामिल हुए। यह सत्र बिजनेस स्टैंडर्ड के सलाहकार संपादक तमाल बंद्योपाध्याय द्वारा संचालित किया गया था।

दास ने कहा कि बैंकों को



विश्वजित दास, मुख्य जोखिम अधिकारी, बंधन बैंक

भुगतान के लिए 'क्षमता और

अनिच्छा' के बीच अंतर बताना

होगा। कर्जदारों के लिए ऋणों

की अदायगी पर मोरेटोरियम को

बढाया गया और लॉकडाउन की

वजह से बकाया संग्रह से जुड़ी

दिया है 'भगतान नहीं कर सकते.

भगतान नहीं करेंगे'। झा ने

कहा, 'बिजनेस मॉडलों में

बदलाव आया है। मैं नहीं मानता

पिछले अनुभव के आधार पर

पहले जैसा सह-संबंध बना

तरीकों में बड़ा अंतर ला दिया

है। श्रीवास्तव ने कहा, 'चाहे यह

डिजिटल ने बैंकों के तौर

कि आप ग्राहकों

दिक्कतों ने इसे

पुनर्विचार

सकते हैं।'



अजय नाथ झा, ईडी व सीआरओ, आईडीबीआई बैंक

मॉर्गेज

हस्ताक्षर



सौरभ श्रीवास्तव, प्रमुख (जोखिम प्रबंधन), सेंट्रम फाइनैंशियल

खरीदारी, नुकसान को बट्टे खाते की जरूरत है जो बैंकों और डालर, ग्राहक जोडने. दस्तावेजी प्रक्रिया हो, या संग्रह, अब सब कुछ बदल गया है। मैं आपको एक उदाहरण देता हुं।

आपको पारंपरिक

की जरूरत नहीं

यानी गिरवी

होती है।' बैंकों और उनके ग्राहकों के बीच टच पॉइंट अब तक प्रक्रिया के लिए पारंपरिक थे. लेकिन अब इसका अभाव है। जहां इससे डिजिटल यात्रा आसान हुई है और ग्राहक भी उत्साहित हैं, वहीं इससे कई तरह के जोखिम भी

जुड़े हुए हैं। मिर्धा का मानना है, 'अब ऐसी भागीदारियों पर विचार करने

फिनटेक के बीच हो रही हैं। इमारे पाम त्यापक गाइक आधार है. लेकिन जब बात प्रौद्योगिकी हो तो यह उतनी अच्छी नहीं है। फिनटेक के मामले में, यह विपरीत है। समस्या यह स्निश्चित करने की है कि इस भागीदारी में डेटा सुरक्षित है या नहीं।'

डेटा कई बार भ्रामक हो सकता है, या यह वास्तविकता से अलग हो सकता है। एसएएस के प्रदीप के अनुसार, 'ऐसा भी समय देखा जा सकता है जब डेटा की व्याख्या न की जा सके। मेरा मानना है कि ऐसे मामलों में, डेटा का विभाजन

Rane Brake Lining Limited

POST BUYBACK PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR THE ATTENTION OF EQUITY SHAREHOLDERS/ BENEFICIAL OWNERS OF EQUITY SHARES OF

of India (Buy-Back of Securities) Regulations, 2018 for the time being in force including any statutory modifications and amendments from time to time ("Buyback Regulations" regarding the completion of the Buyback (as defined hereafter) This Post Buyback Public Announcement should be read in conjunction with the Public Announcement dated October 16, 2020 ("Public Announcement"), issued in connection

Pursuant to the provisions of Section 68, 69, 70 and all other applicable provisions, if any, of the Companies Act, 2013, as amended ("Companies Act") and the applicable rules thereunder, and the provisions of the Buyback Regulations, Article 3 of the Articles of Association of the Company, and pursuant to the resolutions passed by the Board of Directors of Rane Brake Lining Limited (the "Company") (the Board of Directors of the Company and any committee constituted by the Board to exercise its powers are hereinafter referred to as the "Board" or the "Board of Directors") at their meeting held on October 15, 2020 (the "Board Meeting Date"), approved the buyback of the Company's fully paid-up equity shares of the face value of ₹ 10/- each (the "Equity Shares") from its shareholders/ beneficial owners, other than those who are promoters or the promoter group or the persons in control of the Company (hereinafter collectively referred to as the "Promoters"), from the open market through stock exchange mechanism i.e. using the electronic trading facilities of the BSE Limited ("BSE") and the National Stock Exchange of India Limited ("NSE"), where the Equity Shares are listed (hereinafter together referred to as the "Stock Exchanges") for a total amount not exceeding ₹ 22,00,00,000/- (Rupees Twenty Two Crores only) (the "Maximum Buyback Size"), and at a price not exceeding ₹ 825/- (Rupees Eight Hundred Twenty Five only) per Equity Share ("Maximum Buyback Price"), payable in cash (the process being referred herein after as "Buyback"). The Maximum Buyback Size and Maximum Buyback Price do not include any expenses incurred for the Buyback such as filling fees paid to SEBI, Buyback tax, advisors' fees, stock exchange fees, brokerage costs, fees, turnover charges, taxes such as Securities Transaction Tax and Goods and Services Tax (if any), stamp duty and other transaction charges (collectively referred to as "Transaction Costs"). The Maximum Buyback Size represents 9.61% of the aggregate of the Company's paid-up equity share capital and free reserves based on the audited financial statements of the Company as at March 31, 2020 (being the latest available audited

1.2. The Buyback commenced on October 27, 2020 and completed on April 26, 2021 (upon expiry of 6 (six) months from the date of opening of the Buyback). The intimation for closure of the Buyback was issued to the Stock Exchanges on April 26, 2021. Till the date of the closure of the Buyback, the Company utilized 62.32% (excluding Transaction Costs) of Maximum Buyback Size authorized for the Buyback.

1.3. The total number of shares bought back under the Buyback is 185,109 Equity Shares.

DETAILS OF THE BUYBACK

The Company bought back an aggregate of 185,109 Equity Shares, utilising a total of ₹ 137,102,378.78 (Rupees Thirteen Crores Seventy One Lakhs Two Thousand Three Hundred and Seventy Eight and Paise Seventy Eight only) (excluding Transaction Costs), which represents 62.32% of the Maximum Buyback Size. The price at which the Equity Shares were bought back was dependent on the price quoted on the Stock Exchanges. The highest price at which the Equity Shares were bought back was ₹825.00 (Rupees Eight Hundred and Twenty Five only) per Equity Share while the lowest price was ₹ 628.75 (Rupees Six Hundred and Twenty Eight and Paise Seventy Five only) per Equity Share. The Equity Shares were bought back at a volume weighted average price of ₹ 740.66 (Rupees Seven Hundred and Forty and Paise Sixty Six only) per Equity Share. These prices are based on contract notes issued by Ambit Capital Private Limited ("Company's Broker") and exclude Transaction Costs and have been rounded off to two decimal points.

2.2. The pay-out formalities shall be completed as per the normal settlement calendar of the Stock Exchanges. The Company has extinguished 162,621 Equity Shares till date and the Company is in the process of extinguishing the remaining 22,488 Equity Shares bought back.

All Equity Shares bought back were in the demat segment from the Stock Exchanges. As the Buyback was done from the open market through the Stock Exchanges, the identity of shareholders from whom Equity Shares exceeding one per cent of the total Equity Shares was bought in the Buyback is not known.

CAPITAL STRUCTURE AND SHAREHOLDING PATTERN

The capital structure of the Company as on the date of the Public Announcement and as on April 26, 2021 (post completion of the Buyback) is set forth below

Sr. No.	Particulars	Pre-Buyback	Post-Buyback
1.	Authorized Share Capital:		
	10,000,000 Equity Shares of ₹ 10 /- each	100,000,000	100,000,000
	Total	100,000,000	100,000,000
2.	Issued, Subscribed and Paid-up Equity Share Capital:		
	Pre-Buyback: 7,914,980 Equity Shares of ₹ 10 /- fully paid-up	79,149,800	
	Post-Buyback: 7,729,871 Equity Shares of ₹ 10 /- fully paid-up		77,298,710*
	Total	79,149,800	77,298,710*

*Out of the total 185,109 Equity Shares bought back, the Company is in the process of extinguishing the remaining 22,488 Equity Shares. The post-Buyback share capital is provided assuming extinguishment of all Equity Shares bought back by the Company.

The shareholding pattern of the Com any Pre-Buyback as on the Board Meeting Date and Post-Buyback as on April 26, 2021 is set forth below

Category of the Shareholder	Pre-B	Pre-Buyback		Post-Buyback [#]	
	No. of Shares	% to the existing Equity Capital	No. of Shares	% to the Post-Buyback Equity Capital	
(A) Promoter & Promoter Group	5,302,539	66.99%	5,302,539	68.60%	
(B) Public – Total	2,612,441	33.01%	2,427,332	31.40%	
(C1) Shares underlying DRs	-	-			
(C2) Shares held by Employee Trust	-	-			
(C) Non Promoter-Non-Public	-	-			
Total	7,914,980	100.00%	7,729,871	100.00%	

"Out of the total 185,109 Equity Shares bought back, the Company is in the process of extinguishing the remaining 22,488 Equity Shares. The post-Buyback shareholding pattern is provided assuming extinguishment of all Equity Shares bought back by the Company

MERCHANT BANKER TO THE BUYBACK



AMBIT PRIVATE LIMITED

Ambit House 449, Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai - 400 013; Tel: 022-3982 1819 Fax: 022 3982 3020

Contact Person: Mr. Praveen Sangal Email: rbl.buyback@ambit.co; Website: www.ambit.co;

SEBI Registration Number: INM000010585; Corporate Identity Number: U65923MH1997PTC109992 For further details please refer to the Company's website (www.ranegroup.com) and the websites of the Stock Exchanges (www.bseindia.com and

www.nseindia.com) DIRECTOR'S RESPONSIBILITY

As per Regulation 24(i)(a) of the Buyback Regulations, the Board accepts responsibility for the information contained in this Post Buyback Public Announcement or any other information advertisement and for the information contained in all other advertisements, circulars, brochures, publicity materials etc. which may be issued in relation to the Buyback and confirms that the information in such documents contain and will contain true, factual and material information and does not and will not contain any misleading

For and on behalf of the Board of Directors of Rane Brake Lining Limited

Sd/-	Sd/-	Sd/-
Ganesh Lakshminarayan	Harish Lakshman	Venkatraman
Chairman	Director	Company Secretary & Compliance Officer
DIN: 00012583	DIN: 00012602	ICSI Membership Number: ACS 24699

Date: April 27, 2021

अमेरिकी कंपनियों के सीईओ करेंगे कोविड से लड़ने में मदद

एकजुटता का प्रदर्शन करते हुए अमेरिकी की 40 अग्रणी कंपनियों के सीईओ भारत को कोविड-19 से लड़ने में मदद की खातिर संसाधन जुटाने के लिए वैश्विक टास्कफोर्स बनाने के लिए एक साथ आए हैं। यएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल ऑफ अमेरिकी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और यूएस-इंडिया स्ट्रैटिजिक ऐंड पार्टनरशिप फोरम ऐंड बिजनेस राउंडटेबल की सामहिक पहल के तहत टास्क फोर्स ने सोमवार को आयोजित बैठक में अगले कुछ हफ्तों में भारत को 20,000 ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर देने की प्रतिबद्धता जताई है। डेलॉयट के सीईओ पुनीत रंजन ने यह जानकारी दी। अमेरिका की नर्ड पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप भारत को अहम मेडिकल आपर्ति करेगी, जिसमें टीके, ऑक्सीजन और अन्य जीवन रक्षक सहायता एजेंसियां शामिल है।

हैथवे शेयर बिक्री को मिले ज्यादा आवेदन

हैथवे केबल डेटाकॉम की शेयर बिक्री की पेशकश को ज्यादा आवेदन मिले. जिससे प्रवर्तक रिलायंस इंडस्टीज की अगुआई वाली फर्मों को केबल ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाता में अपनी हिस्सेदारी घटाने में मदद मिली, जो 25 फीसदी न्युनतम सार्वजनिक शेयरधारिता के नियमों का अनुपालन करना चाहती हैं। 11.61 फीसदी हिस्सेदारी यानी 20.5 करोड शेयरों की पेशकश के मकाबले 27.9 करोड शेयरों के लिए बोली मिली और खुदरा व गैर-खुदरा श्रेणी में ज्यादा आवेदन मिले। बीएसई के आंकडों से यह जानकारी मिली। ज्यादातर बोली 21.5 रुपये के फ्लोर प्राइस पर मिली, जिससे प्रवर्तक को करीब 441 करोड रुपये जुटाने में मदद मिली। हैथवे में अपनी हिस्सेदारी घटाने की जियो की यह दूसरी कोशिश है। पिछले महीने 25.3 रुपये के फ्लोर प्राइस पर महज 39 फीसदी आवेदन मिले थे। हिस्सेदारी बिक्री से पहले हैथवे में प्रवर्तक हिस्सेदारी 86.61 फीसदी बीएस

SHRIRAM Mutual Fund

SHRIRAM MUTUAL FUND

Mookambika Complex, 3rd Floor, 4 Lady Desikachari Road, Mylapore, Chennai - 600 004 (Investment Manager: Shriram Asset Management Company Limited) CIN: L65991MH1994PLC079874

Registered Office: 1006, 10th Floor, Meadows, Sahar Plaza, Andheri Kurla Road, J.B. Nagar, Andheri (East), Mumbai - 400 059.

NOTICE

Half-Yearly Unaudited Financial Results of Schemes of Shriram Mutual Fund

NOTICE is hereby given that the unaudited financial results of the Schemes of Shriram Mutual Fund for the half-year ended March 31, 2021 have been hosted on the website of Shriram Asset Management Company Limited (www.shriramamc.in), in accordance with Regulation 59 of SEBI (Mutual Funds) Regulations, 1996. Investors may accordingly view / download the results from the website

> For Shriram Asset Management Company Limited (Investment Manager of Shriram Mutual Fund)

Date : April 27, 2021 Place : Kolkata

Compliance Officer

निदेशक मण्डल के आदेश से

कृते सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

हस्ताक्षर / -

For more information, please contact Shriram Asset Management Co. Ltd., CK-6, 2nd Floor, Sector II, Salt Lake City, Kolkata - 700 091. Tel.: 033 2337 3012, Email: info@shriramamc.in, Fax: 033 2337 3014,

> Mutual fund investments are subject to market risks, read all scheme related documents carefully.



सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India

1911 से आपके लिए "केंद्रित"

"CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

ई-वोटिंग के लिए सूचना

दिनांक 21 अप्रैल, 2021 को इस सामाचार पत्र में प्रकाशित असाधारण सामान्य बैठक (ईजीएम) की पूर्व सूचना के संदर्भ में सेबी (सूचीकरण बाध्यताएं एवं प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियम 44 के साथ पठित कम्पनी (प्रबंधन एवं प्रशासन नेयम, 2014 के नियम 20 के अनुपालन में एतद्दवारा पुनः यह सूचना दी जा रही है कि मंगलवार, दिनांक 18 मई, 2021 को प्रातः 11:00 बजे चंदरमुखी, नरीमन पॉइंट, मुम्बई 400021 पर स्थित बैंक के प्रधान कार्यालय, (बैठक का प्रस्तावित स्थल) में विडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दुश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) से आयोजित होने वाले असाधारण सामान्य बैठक में सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया क् शेयरधारकों को निम्नलिखित पर विचार करने एवं उपर्युक्त समझे जाने पर कुल मिलाकर ₹ 4800.00 करोड़ (₹ चार हजार आठ सौ करोड़ मात्र) के प्रति ₹ 10 अंकित मूल्य के 280,53,76,972 इविवटी शेयर सुजित कर भारत के राष्ट्रपति (भारत सरकार) को अधिमानी आधार पर, सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 164(1) के अनुरूप बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रति इविवटी ₹ 7.11 के प्रीमियम सहित प्रति इक्विटी शेयर ₹ 17.11 के निर्गम मुल्य के नकद के लिए जारी एवं आबंटित करने हेतु निदेशक मंडलध्बोर्ड की पूंजी संवर्धन समिति को . सभी आवश्यक अनुमोदनों एवं सभी लागू कानूनों के अंधीन शक्तियां प्रदान करने का विशेष संकल्प पारित करने हेतु बैंक वैकल्पिक माध्यम के तौर पर रिमोट ई—वोटिंग सुविधा उपलब्ध करवा रहा है।

रथानः मम्बई दिनांकः २७ अप्रैल, २०२१

(विजय वसंत मुरार) महाप्रबंधक (ट्रेजरी / आईडी)

्ई—मेल द्वारा असाधारण सामान्य बैठक की सूचना प्रेषण पूर्ण करने की तारीख : दिनांक 21 अप्रैल, 2021. रिमोट ई—वोटिग प्रारम्भ होने की तारीख एवं समय : दिनांक 15 मई, 2021 को प्रातः 10:00 बजे (भारतीय मानक समय) रिमोट ई-वोटिंग समाप्त होने की तारीख एवं समय : दिनांक 17 मई, 2021 को सांय 5:00 बजे (भारतीय मानक समय)

कट – ऑफ तिथि : बुधवार,दिनांक 12 मई, 2021.

कोई भी व्यक्ति जो बैठक की सूचना के प्रेषण के पश्चात कट ऑफ तारीख अर्थात बुधवार, 12 मई, 2021 को बैंक का बैक क सदस्य बनता है एवं शेयर रखता हैं वे ई-मेल के माध्यम से शेयरधारकों को भेजे गए तथा बैंक की वेबसाइट www.centralbankofindia.co.in के "इन्वेस्टर रिलेशन्स" लिंक और ई-वोटिंग प्लेटफार्म प्रदाता - लिंक इन टाइम इंडिया प्राईवेट लिमिटेड की वेबसाइट https://instavote.linkintime.co.in पर अपलोड किए गए एजीएम नोटिस का संदर्भ देते हुए अपने युजर आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर सकते हैं. असाधारण सामान्य बैठक की सूचना में रिमोट ई वोटिंग हेतु विस्तृत प्रक्रियादी गई है.

रिमोट ई—वोटिंग दिनांक 17 मई, 2021 को सांय 5.00 बजे (भारतीय मानक समय) के बाद अनुमत नहीं होगी. वे शेयरधारक सदस्य जिन्होंने संकल्प पर अपना वोट रिमोर्ट ई-वोटिंग के माध्यम से नहीं दिया है एवं ऐसा करने से अन्यथ प्रतिबंधित नहीं है वे इन्स्टामीट सुविधा द्वारा विडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) द्वारा आयोजित बैठक में उपस्थित होनेपर बैठक के दौरान अपना मतदान ई—वोटिंग सुविधा के माध्यम से करने के पात्र होंगे रिमोट ई—वोटिंग से अपना वोट दे चुके सदस्य भी इन्स्टामीट द्वारा विडिओ कॉन्फरेंस (वीसी) अथवा अन्य दृश्य श्रव्य माध्यम (ओएवीएम) वे

माध्यम से असाधारण सामान्य बैठक में सहभागिता कर सकते हैं परंतु उन्हें बैठक के दौरान पुनः वोट देने की अनुमति नहीं होगी. केवल वह व्यक्ति, जिनका नाम सदस्यों के रजिस्टर में अथवा डिपॉजिटरी द्वारा रखे गयें लाभार्थी धारक ँके रजिस्टर में, कट—ऑप तिथि अर्थात 12 मई, 2021 को रिकार्ड किया गया है, वे रिमोट ई-वोटिंग एवं ई-वोटिंग की सुविधा के लिए पात्र होंगे. 10. यदि शेयरधारकों / सदस्यों को ई—वोटिंग के संबंध में कुछ प्रश्न या समस्या है तो आप **instameet@linkintime.co.in** पर

ई—मेल करें अथवा टेलीफोन 022—4918 6270 पर कॉल करें. 11. उपर्युक्त ईजीएम नोटिस के व्याख्यात्मक विवरण के साथ निम्न सूचना भी पढ़ी जानी चाहिए न तो जारीकर्ता उसके प्रवर्तकों अथवा निदेशकों में से कोई सेबी (आईसीडीआर) विनियम 2018 के विनियम 2 (1) (III)

सहपठित विनियम 163 (1) (1) के अंतर्गत परिभाषित किये अनुसार जानबुझकर चुककर्ता नहीं है. बी) जारी की जाने वाली विनिर्दिष्ट प्रतिभृतियों की अधिकतम संख्या 280,53,76,972 इक्विटी शेयर है

Adfactors 19